A–0191

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–607

M.A. Sanskrit (MASL)

गद्य एवं पद्य काव्य भाग–02

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नैषधीयचरितमहाकाव्य के प्रथमसर्ग का सारांश लिखिए।

2. बुद्धचरितमहाकाव्य के प्रथमसर्ग का सारांश लिखिए।

3. निम्न में से किसी **एक** की व्याख्या कीजिए–

इक्ष्वाकुवंशार्णव संप्रसूतः प्रेमाकरश्चन्द्र इव प्रजानाम्। शाक्येषु साकल्यगुणाधिवासः शुद्धोदनाख्यो नृपतिर्बभूव॥

अथवा

दीप्त्या च धैर्येण च यो रराज वालो रविभूमिमिवावतीर्णः।

तथातिदीप्तोऽपि निरीक्ष्यमाणो जहार चक्षुंषि यथा शशाङ्क॥

4. निम्न में से किसी **एक** की व्याख्या कीजिए–

अमुष्य विद्या रसनाग्रनर्तकी त्रवीय नीताङ्गगुणेन विस्तरम्।

अगाहताष्टादशतां जिगीषया नवद्वयद्वीपपृथग्जयश्रियाम्॥

अथवा

अयं दरिद्रो भवितेति वैधसीं लिपि ललाटेऽथजनस्य जाग्रतीम्।

मृषा न चक्रेऽल्पितकल्पपादपः प्रणीय दारिद्र्यदरिद्रतां नृपः॥

5. नैषधीयचरित महाकाव्य में प्रकृति–चित्रण कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नैषधीयचरित महाकाव्य की पौराणिक कथा किस ग्रंथ में वर्णित हैं ?
2. "नैषधीयपदलालित्यम्" इस पर टिप्पणी लिखिए।
3. नैषध प्रथमसर्ग में किस रस का प्राधान्य है ? इस पर टिप्पणी लिखिए।
4. मोक्षाय चेद्वा वनमेव गच्छेत तत्त्वेन सम्यक् स विजित्य सर्वान्।
   मतान् पृथिव्यां बहुमानमेतः राजेत शैलेषु तथा सुमेरुः॥
   इस श्लोक की व्याख्या कीजिए।
5. यद्राजशास्त्रं भृगुरङ्गिरा वा न चक्रतुर्वंशकरावृषी तौ।
   तयोः सुतौ सौम्य ससर्जतुस्तत् कालेन शुक्रश्च बृहस्पतिश्च॥
   इस श्लोक की व्याख्या कीजिए।
6. नैषधीयचरित महाकाव्य का अलंकार की दृष्टि से विश्लेषण कीजिए।
7. बुद्धचरित के वैशिष्ट्य का प्रतिपादन कीजिए।
8. महाकवि अश्वघोष का जीवन परिचय लिखिए।

****